Kargil Vijay Diwas Silver Jubilee 2024

The Indian Army has an unparalleled military tradition of determination, bravery and sacrifice led by its junior leaders in battle. This tradition manifested in the summer of 1999, when Operation Vijay was launched by the Indian Army to evict Pakistani intruders from the icy heights of Dras, Kargil and Batalik Sectors of Ladakh. Raw courage, daring, tenacity and heroic efforts displayed by our soldiers and young officers ensured triumph of the Indian Army in this operation also referred to as the Kargil War.

Post-Independence Pakistan's obsession with annexing Kashmir saw several failed military ventures and finally it resorted to Operation Badr whereby while extending the olive branch during the Lahore Summit in February 1999, it surreptitiously occupied the winter vacated posts in the Kargil District of Ladakh. This was done to cut off National Highway (NH) - 1 with an overall aim to sever Ladakh from Kashmir thereby forcing the vacation of Siachen Glacier.

The Pakistani intrusions took place along the heights of Mashkoh Valley, Tololing and Tiger Hill in Dras Sector; the glaciated heights of Kaksar; Batalik and Ganashok valleys astride the Indus River and in Chorbat La and Turtuk Sectors. The engagements that took place here were classic examples of intense infantry operations in high altitude supported by intimate and high volume artillery barrages. The Indian Army supported by the Indian Air Force began systematically clearing the heights overlooking the NH - 1 including Tololing, Tiger Hill and Pt 4875 and with the NH-1 having been secured, proceeded to clear the rest of the intrusions along the Line of Control.

The phenomenal tactical and logistical challenges posed to the Indian Army were overcome by a combination of innovation, determination and courage. The intensity of this short war of less than three months, can be measured by the fact that 85 major and minor units participated in war with 559 Officers, Junior Commissioned Officers and Soldiers making the Supreme Sacrifice and four Param Vir Chakras, 10 Mahavir Chakras and 69 Vir Chakras were awarded. Theatre and Battle Honours were awarded to 29 units while 17 units received the Chief of Army Staff Unit Citations for gallantry during the operations.

With the advent of satellite television, Operation Vijay became India's first battle that was taken into the homes across our country by the media and soon Kargil, Batalik, Dras, Muskoh and Turtuk became household names. On 26 July 2024, the Silver Jubilee of the Kargil War, we rededicate ourselves to the memory of the braves who laid down their lives during Operation Vijay, 1999.

Department of Posts is proud to release commemorative postage stamps on the Silver Jubilee of Kargil Vijay Diwas, honoring the bravery and sacrifice of our armed forces. This special issue celebrates 25 years of India's victory in the Kargil War and pays tribute to our heroes.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Ms. Gulistaan
Text	:	Referenced from content provided by the proponent

कारगिल विजय दिवस रजत जयंती 2024

भारतीय सेना दृढ़ संकल्प, वीरता और बलिदान की अद्वितीय सैन्य परंपरा के लिए जानी जाती है और इस शानदार परंपरा के ध्वजवाहक रहे हैं इसके जूनियर कमांडर्स। इसकी शानदार मिसाल 1999 में उस समय देखने को मिली, जब लद्दाख के द्रास, कारगिल एवं बटालिक सेक्टरों की बर्फीली चोटियों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन विजय की शुरुआत की गई। हमारे सैनिकों और युवा अधिकारियों के अदम्य साहस, निर्भीकता, दृढ़ता एवं वीरतापूर्ण प्रयासों की बदौलत भारतीय सेना ने इस ऑपरेशन में विजय हासिल की, जिसे कारगिल युद्ध के नाम से भी जाना जाता है।

आजादी के बाद कश्मीर पर कब्जा जमाने के जुनून में पाकिस्तान ने कई सैन्य प्रयास किए परंतु हर बार मुंह की खाने के बाद अंततः पाकिस्तान ने ऑपरेशन बद्र शुरू किया। इसी के हिस्से के रूप में फरवरी 1999 में लाहौर शिखर वार्ता के दौरान शांति का प्रस्ताव रखते हुए पाकिस्तान ने लद्दाख के कारगिल जिले में भीषण ठंड की वजह से खाली की गई चौकियों पर दबे–छिपे कब्जा कर लिया। इसका मकसद राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) –1 को अवरुद्ध कर लद्दाख और कश्मीर के बीच संपर्क तोड़ना था, ताकि सियाचिन ग्लेशियर को खाली कराया जा सके।

पाकिस्तान द्वारा द्रास सेक्टर की मुशकोह घाटी, तोलोलिंग एवं टाइगर हिल; काकसर की बर्फीली (ग्लेशिएट) चोटियों; सिंधु नदी के दोनों ओर स्थित बटालिक एवं गनशॉक घाटी और चोरबत ला एवं तुरतुक सेक्टर की ओर से घुसपैठ की गई। इन क्षेत्रों में हुए भीषण बमबारी वाले सैन्य संघर्ष, अत्यधिक ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पैदल सेना की बहादुरी के उदाहरण हैं। भारतीय थल सेना ने भारतीय वायु सेना की सहायता से एनएच–1 के सामने की पहाड़ियों जैसे तोलोलिंग, टाइगर हिल और प्वॉइंट 4875 को सुनियोजित तरीके से दुश्मनों के कब्जे से मुक्त करवा कर एनएच–1 को सुरक्षित किया। इसके पश्चात् सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ वाले शेष इलाकों को खाली कराना शुरू किया।

भारतीय सेना ने इस युद्ध के समय की तमाम सैन्य और लॉजिस्टिकल चुनौतियों का नवीन उपायों, दृढ़ संकल्प और साहस के साथ सामना किया। तीन महीने से भी कम समय तक चले इस युद्ध में 85 छोटी–बड़ी यूनिटों ने हिस्सा लिया। इस युद्ध में 559 अफसरों, जूनियर कमीशंड अफसरों एवं जवानों ने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इस युद्ध में अदम्य साहस की मिसाल कायम करने के लिए 4 परमवीर चक्र, 10 महावीर चक्र एवं 69 वीर चक्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, 29 यूनिटों को थियेटर एवं बैटल ऑनर्स प्रदान किए गए जबकि 17 यूनिटों को वीरता के लिए थल सेनाध्यक्ष यूनिट प्रशस्ति–पत्र से सम्मानित किया गया।

सैटेलाइट टेलीविजन की शुरुआत के फलस्वरूप, ऑपरेशन विजय भारत का पहला ऐसा युद्ध बना जिसे मीडिया ने देशभर में हर घर तक पहुंचाया और जल्द ही कारगिल, बटालिक, द्रास, मुशकोह और तुरतुक का नाम हर व्यक्ति की जुबान पर था। 26 जुलाई 2024 को कारगिल युद्ध के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हम ऑपरेशन विजय, 1999 के उन वीर योद्धाओं को नमन करते हैं, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

डाक विभाग, हमारी सशस्त्र सेनाओं की वीरता और बलिदान की भावना को रेखांकित करते हुए कारगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्मारक डाक–टिकट जारी कर गर्व का अनुभव करता है। यह विशेष इशू कारगिल युद्ध में भारत की जीत के 25 वर्ष पूरे होने पर हमारे जांबाज नायकों को श्रद्धांजलि स्वरूप है।

आभार :

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण विवरणिका/विरूपण कैशे पाठ : सुश्री गुलिस्तां

: प्रस्तावक से प्राप्त सामग्री के आधार पर

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख	: 26.07.2024
Date of Release	: 26.07.2024
मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रितडाक–टिकटें	: 304000
Stamps Printed	: 304000
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00